E – 100 Marks
Batch - 2023-2024

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – १

परीक्षा : मई – २०२४

विषय : प्राचीन काव्य (भाग–१) (HDS - 102)

दि.: १७/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : दो. २.०० से दो. ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'पद्मावत' काव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

प्र. २ 'पद्मावत' में अभिव्यक्त प्रेमभाव को सोदाहरण लिखिए।

प्र. ३ 'पद्मावत' काव्य में अभिव्यक्त सौंदर्य भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्र. ४ कबीर की रचनाओं में अभिव्यक्त भक्ति भावना को सविस्तार विशद कीजिए।

प्र. ५ कबीर के रहस्यवाद को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ६ कबीर की काव्य कला पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

प्र. ७ गीतिकाव्य के तत्त्वों की स्पष्ट करते हुए, 'विनय पत्रिका' में चित्रित भक्तिभाव कों विवेचित कीजिए।

प्र. ८ तुलसीदास द्वारा विरचित 'विनय पत्रिका' में दृष्टव्य काव्य कला को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ९ निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

१. अन्न न भावै, नींद न आवै,
गिह बन धरे न धीर रे।

२. जब मैं था, तब हरि नाहिं, अब हरि है, हम नाहिं।

३. कबीर मंदिर लाख का जड़िया हीरै लालि। दिवस चारी का पेखनां, विनसि जाइगा काल्हि।।

४. ऐसो को उदार जग माहि। बिनु सेवा जो द्रवे दीन पर, राम सरिस कोउ नाहि।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. 'पद्मावत' में लोक जीवन

२. समाज सुधारक कबीर

३. 'विनय पत्रिका' में दार्शनिकता

४. 'विनय पत्रिका' में राम का रुप।